Publication	Navbharat Times
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	02 (Gurgaon Times)
Date	25th August 2017

NBT
नवभारत टाइम्स

सनसिटी स्कूल को मिला एक्सिलेंस अवॉर्ड फॉर सर्विस

■ प्रस, गुड़गांव : स्थानीय सनसिटी स्कूल को नई दिल्ली के इंडिया इंटरनैशनल सेंटर में हुए समारोह के दौरान विकलांग बच्चों की सेवा के लिए इंटरनैशनल एक्सिलेंस अवॉर्ड फॉर सर्विस दिया गया है।

यह अवॉर्ड असोसिएशन फॉर डिसेबल्ड पीपल एंड असोसिएशन ऑफ स्पेशल एजुकेटर्स एंड एप्लॉइड प्रफेशनल्स और पैरा स्पोर्ट्स फाउंडेशन की ओर से दिया गया है। सनसिटी स्कूल की ओर से प्राचार्य रूपा चक्रवर्ती ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री थावरचंद गहलोत से पुरस्कार प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि स्कूल में दिव्यांगों को सशक्त बनाने के लिए समावेशी दृष्टिकोण अपनाया गया है। पूरे स्कूल का इन्फ्रास्ट्रक्चर भी दिव्यांग बच्चों के लिए अनुकूल है।

Publication	Hindustan
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	22
Date	25th August 2017

हिन्दुस्तान

सनसिटी स्कूल को पुरस्कार

गुरुग्राम। शहर के सनसिटी स्कूल को दिव्यांग बच्चों की सहायता के लिए इंटरनेशनल एक्स्लेंस अवॉर्ड फॉर सर्विस से नवाजा गया है।

बुधवार को नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में आयोजित एक समारोह में स्कूल को यह पुरस्कार दिया गया। यह अवार्ड उन्हें संस्थागत सेगमेंट के अंतर्गत आयोजित पहले ह्यइंटरनेशनल एक्स्लेंस अवार्डह्व में प्रदान किया गयाक यह पुरस्कार दिव्यंगों, विशेष आवशयकताओं की पूर्ति, सामुदायिक परामर्श और मनो-सामाजिक विकास के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध लोगों को सराहने के लिए प्रदान किया गया।

Publication	Amar Ujala
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	07
Date	25th August 2017

अमर उजाला

सनसिटी स्कूल को मिला पुरस्कार

गुरुग्राम। सनसिटी स्कूल को नई दिल्ली के इंडिया अंतर्राष्ट्रीय सेंटर (आईआईसी) में आयोजित एक समारोह में दिव्यांगों की सेवा के लिए अंतरराष्ट्रीय एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड उन्हें संस्थागत सेगमेंट के अंतर्गत दिया गया। एसोसिएशन फॉर डिसेबल्ड पीपल एंड एसोसिएशन और स्पेशल एडुकेटर्स एंड एप्लाइड प्रोफेशनल्स और पैरास्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा दिया गया। सनसिटी स्कूल की ओर से प्रधानाचार्य रूपा चक्रवर्ती ने सामाजिक न्याय और अधिकारिकता मंत्री थावरचंद गहलोत से पुरस्कार लिया। ब्यूरो

Publication	Gurgaon Mail
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	04
Date	25th August 2017

गुड़गाँव मेल

सनसिटी स्कूल को दिव्यांग बच्चों की सहायता के लिए इंटरनेशनल एक्स्सलेंस अवार्ड फॉर सर्विस से नवाज़ा

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 24 अगस्त। गुड़गांव स्थित सनसिटी स्कूल को नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में आयोजित एक समारोह में, विकलांगों की सेवा के लिए इंटरनेशनल एक्स्सलेंस अवार्ड फॉर सर्विस से नवाज़ा गया। यह अवार्ड उन्हें संस्थागत सेगमेंट के अंतर्गत आयोजित पहले इंटरनेशनल एक्स्सलेंस अवार्ड में प्रदान किया गया। यह पुरस्कार दिव्यांगों, विशेष आवश्यकताओं की पूर्ति, सामुदायिक परामर्श और मनो-सामाजिक विकास के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध लोगों को सराहने के लिए प्रदान किया गया।

एसोसिएशन फॉर डिसेबल्ड पीपल एंड एसोसिएशन ऑफ़ स्पेशल एडुकेटर्स एंड एप्लाइड प्रोफेशनल्स और पैरा स्पोर्ट्स फाउंडेशन के साथ एसोसिएशन द्वारा संचालित, यह अवार्ड वकालत, रोजगार, प्रशिक्षण, शिक्षा, संवेदीकरण, खेल और संस्कृति में हस्तक्षेप के माध्यम से समावेशी शिक्षा और विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के क्षेत्र में सनसिटी स्कूल द्वारा किए गए काम को मान्यता दी है

सनसिटी स्कूल की संस्था की ओर से प्राचार्य रूपा चक्रवर्ती ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री- थावरचन्द गहलोत से पुरस्कार प्राप्त किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री- थावरचन्द गेहलोत ने कहा कि- हर व्यक्ति अद्वितीय है और प्रतिभा से पूर्ण है। मोदी सरकार ने दिव्यंगों को सशक्त बनाने के लिए कई पहल कीं हैं। हालांकि, यह केवल सरकार का ही नहीं बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है की हम दिव्यंगों को प्रोत्साहित करने के लिए पहल करते रहें।

सनसिटी स्कूल की प्राचार्य- रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि- इस पुरस्कार को प्राप्त करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। हमने सनसीटी स्कूल में दिव्यंगों को सशक्त बनाने के लिए एक समावेशी दृष्टिकोण अपनाया है। विकलांगता के प्रति बच्चों को संवेदनशील बनाने की कोशिश में, हम अपने छात्रों को नियमित रूप से विशेष स्कूलों में ले जाते हैं। पूरे स्कूल का इन्फ्रास्ट्रक्चर भी दिव्यांग बच्चों के लिए अनुकूल है।

सनसीटी स्कूल के संस्थापक प्रधानाध्यापक रूपा चक्रवर्ती, दिव्यांग युवाओं को प्रोत्साहित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पूरे एनसीआर में यह स्कूल बाकी स्कूलों से नायाब है जिसकी पूरी इमारत को इस तरीके से डिज़ाइन किया गया है जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि दिव्यांग बच्चों को किसी तरीके की परेशानी का सामना न करना पड़े। विद्यालय में विशेष बच्चों के लिए विशेष व्यवस्थाएं हैं जैसे रैंप और डिसेबल्ड-फ्रेंडली शौचालय जो हर मंजिल पर उपस्थित है। प्रत्येक छात्र को इन विशेष बच्चों की देखरेख करने और यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है कि उन्हें किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े।

Publication	Human India
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	02
Date	25th August 2017

ह्यूमन इंडिया

सनसिटी स्कूल को दिव्यांग बच्चों की सहायता के लिए इंटरनेशनल एक्सलेंस अवार्ड फॉर सर्विस से नवाज़ा

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। सनसिटी स्कूल को नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में आयोजित एक समारोह में, विकलांगों की सेवा के लिए इंटरनेशनल एक्सलेंस अवार्ड फॉर सर्विस से नवाज़ा गया। यह अवार्ड उन्हें संस्थागत सेगमेंट के अंतर्गत आयोजित पहले इंटरनेशनल एक्सलेंस अवार्ड में प्रदान किया गया। यह पुरस्कार दिव्यांगों, विशेष आवश्यकताओं की पूर्ति, सामुदायिक परामर्श और मनो-सामाजिक विकास के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध लोगों को सराहने के लिए प्रदान किया गया। एसोसिएशन फॉर डिसेबल्ड पीपल एंड एसोसिएशन ऑफ़ स्पेशल एडुकेटर्स एंड एप्लाइड प्रोफेशनल्स और पैरा स्पोर्ट्स फाउंडेशन के साथ एसोसिएशन द्वारा संचालित, यह अवार्ड वकालत, रोजगार, प्रशिक्षण, शिक्षा, संवेदीकरण, खेल और संस्कृति में हस्तक्षेप के माध्यम से समावेशी शिक्षा और विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के क्षेत्र में सनसिटी स्कूल द्वारा किए गए काम को मान्यता दी है।

सनसिटी स्कूल की संस्था की ओर से प्राचार्य रूपा चक्रवर्ती ने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री- थावरचन्द गेहलोत से पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री- थावरचन्द गेहलोत ने कहा कि- हर व्यक्ति अद्वितीय है और प्रतिभा से पूर्ण है। मोदी सरकार ने दिव्यांगों को सशक्त बनाने के लिए कई पहल की हैं। हालांकि, यह केवल सरकार का ही नहीं बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है की हम दिव्यांगों को

प्रोत्साहित करने के लिए पहल करते रहें। सनसिटी स्कूल की प्राचार्य- रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि- इस पुरस्कार को प्राप्त करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। हमने सनसीटी स्कूल में दिव्यांगों को सशक्त बनाने के लिए एक समावेशी दृष्टिकोण अपनाया है। विकलांगता के प्रति बच्चों को संवेदनशील बनाने की कोशिश में, हम अपने छात्रों को नियमित रूप से विशेष स्कूलों में ले जाते हैं। पूरे स्कूल का इन्फ्रास्ट्रक्चर भी दिव्यांग बच्चों के लिए अनुकूल है।

सनसीटी स्कूल के संस्थापक प्रधानाध्यापक रूपा चक्रवर्ती, दिव्यांग युवाओं को प्रोत्साहित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पूरे एनसीआर में यह स्कूल वाकी स्कूलों से नायाब है जिसकी पूरी इमारत को इस तरीके से डिज़ाइन किया गया है जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि दिव्यांग बच्चों को किसी तरीके की परेशानी का सामना न करना पड़े। विद्यालय में विशेष बच्चों के लिए विशेष व्यवस्थाएं हैं जैसे रैंप और डिसेबल्ड-फ्रेंडली शौचालय जो हर मंजिल पर उपस्थित हैं। प्रत्येक छात्र को इन विशेष बच्चों की देखरेख करने और यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है कि उन्हें किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े।